



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 13 जनवरी, 1998/23 पौष, 1919

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी

कार्यालय आदेश

मण्डी, 26 दिसम्बर, 1997

संख्या: पी०सी०एन०-एम०एन०डी०-ए(5) 92/94-12704-9.—यतः ग्राम पंचायत कपाही, विकास खण्ड सुन्दरनगर, जिला मण्डी के लेखों की खण्ड विकास अधिकारी सुन्दरनगर द्वारा प्रारम्भिक जांच करने पर यह पाया गया है कि श्री प्यार सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कपाही द्वारा जब वे पहले ग्राम पंचायत कपाही के प्रधान थे तो उन्होंने खण्ड विकास अधिकारी सुन्दरनगर से धन राशि एवं खाद्यान्न विकास कार्यों हेतु प्राप्त करके उसका हिसाब पंचायत में प्रस्तुत नहीं किया जिसके लिए उक्त प्रधान, ग्राम पंचायत कपाही को हिमाचल प्रदेश ग्राम पंचायत नियम 1971 के नियम 77 के अन्तर्गत इस कार्यालय के आदेश संख्या: पी० सी०एन०-एम०एन०डी०-ए(5) 92/94-146570, दिनांक 20-6-96 को कारण बताओ नोटिस दिया गया था कि क्यों न उन्हें नोटिस में वर्णित अनियमितताओं के लिए प्रधान, ग्राम पंचायत कपाही के पद से निलम्बित किया जाए।

और क्योंकि श्री प्यार सिंह, प्रधान ग्राम पंचायत कपाही से कारण बताओ नोटिस का उत्तर प्राप्त हो चुका है जो निम्नलिखित कारणों से असन्तोषजनक है :—

1. उक्त श्री प्यार सिंह, प्रधान ने आरोप संख्या 1 के बारे में सूचित किया है कि खण्ड विकास अधिकारी, सुन्दरनगर से प्राप्त खाद्यान 9.89 क्विंटल गन्धम तथा 7.25 क्विंटल चावल मजदूरों को सोसाइटी के सेल्जमेन द्वारा नियम वद्ध तरीके से बांटा है सही नहीं है। क्योंकि खण्ड विकास अधिकारी सुन्दरनगर ने इस पर अपनी टिप्पणी दी है कि ग्राम पंचायत के रोकड़ के अनुसार खाद्यान सामग्री मु0 6,437/- रुपए मस्ट्रोलों द्वारा व्यय की ओर इन्द्राज किया गया है परन्तु आय की ओर उक्त खाद्यान का कोई इन्द्राज नहीं किया गया है जिससे स्पष्ट है कि मु0 6437/- रुपए का दुरुपयोग हुआ है।

2. आरोप संख्या 2 के सम्बन्ध में प्रधान ने सूचित किया है कि जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत 7 क्विंटल गन्धम व 5 क्विंटल चावल डोडवा पुली, डोडर पुली व देहु पुली पर मस्ट्रोल पर लगी लेबर को बांटी है परन्तु मस्ट्रोल पर अनाज न चढ़ाकर राशि चढ़ाई गई है। इस बारे में खण्ड विकास अधिकारी सुन्दरनगर ने टिप्पणी दी है कि जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत को मु0 11508/- रुपए की अनुदान नकदी के रूप में तथा 7 क्विंटल गन्धम व 5 क्विंटल चावल (कुल मु0 5070.80 पैसे) खाद्यान के रूप में जारी कर दिए गए हैं। मु0 11508/- रुपए की अनुदान राशि पंचायत की रोकड़ में दर्ज की गई तथा खाद्यान सामग्री स्टॉक रजिस्टर के पृष्ठ 29 पर दर्ज पाई गई और डोडवा पुली, डोडर पुली तथा देहु पुली पर जो व्यय दर्शाया है वह नकद अनुदान से सम्बन्धित है परन्तु खाद्यान सामग्री का कोई इन्द्राज रोकड़ में दर्ज नहीं किया गया है। अतः इस प्रकार खाद्यान सामग्री मु0 5070.80 रुपए का दुरुपयोग किया गया है।

3. आरोप संख्या 3 के सम्बन्ध में प्रधान श्री प्यार सिंह ने उत्तर दिया है कि जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत देहु पुली पर एक आर0 सी0 सी0 पाईप डाला गया जो सदस्यों ने खरीदा है। इस बारे में खण्ड विकास अधिकारी सुन्दरनगर ने टिप्पणी दी है कि वर्ष 1993-94 में देहु पुली पर मु0 1778/- रुपए व्यय किए हैं जिसमें से राम हरि उद्योग नेरचौक से दिनांक 13-6-1993 के अनुसार 4 आर0सी0सी0 पाईप मु0 275/- रुपए प्रति पाईप की दर से मु0 1100/- रुपए के खरीद किए गए हैं, इसके अतिरिक्त 6 बैग सिमेंट मु0 678/- रुपए का व्यय रोकड़ दर्ज है परन्तु कनिष्ठ अभियन्ता की रिपोर्ट अनुसार देहु पुली पर कोई भी कार्य नहीं हुआ है, जो एक पाईप मौका पर पाया गया है वह स्थानीय जनता द्वारा सुन्दरनगर कमेटी से लाया गया बताया गया। इस प्रकार मु0 1778/- रुपए का स्पष्ट दुरुपयोग किया गया है।

4. आरोप संख्या 4 के सम्बन्ध में श्री प्यार सिंह, प्रधान ने स्पष्ट किया है कि डोडवा पुली का निर्माण पूर्व पंच श्री सुरेन्द्र कुमार द्वारा करवाया गया है जिस पर 2832/- रुपए व्यय हुए हैं। खण्ड विकास अधिकारी ने इस आरोप बारे टिप्पणी दी है कि जवाहर रोजगार योजना के अन्तर्गत वर्ष 1993-94 में डोडवा पुली पर मु0 2832/- रुपए व्यय किए हैं तथा ग्राम पंचायत के प्रस्ताव संख्या 5 दिनांक 26-5-93 द्वारा डोडवा पुली निर्माण हेतु निम्न सदस्यों की कमेटी का गठन किया है जिसके लिए प्रधान भी उत्तरदायी है—

1. श्री प्यार सिंह, प्रधान
2. श्री रमेश, पंच
3. श्री सुरेन्द्र कुमार, पंच

कार्य का मूल्यांकन कनिष्ठ अभियन्ता ने मु0 1659/- रुपए का किया है तथा इस प्रकार मु0 1173/- रुपए का फर्जी व्यय ढालकर राशि का अपहरण किया गया है।

5. आरोप संख्या 5 के बारे में श्री प्यार सिंह ने स्पष्ट किया है कि डोडर पुली निर्माण हेतु लाया गया सामान श्री वालक राम क घर रखा है जो कि अभी भी उनके ही घर पर है। खण्ड विकास अधिकारी

सुन्दरनगर ने सूचित किया है कि डोडर पुली निर्माण हेतु वर्ष 1993-94 तथा 1994-95 में 8444/- रुपए व्यय किए गए हैं। इस पुली हेतु 33 बैग सिमेंट, लोहा, रेत बजरी तथा पत्थर क्रय किए दर्शाए हैं, जबकि श्री बालक राम के घर में केवल 15 बैग सिमेंट, एक क्विंटल के लगभग सरिया है जिसकी कुल कीमत रु० 3031/- रुपए है। परन्तु उक्त सामग्री को श्री बालक राम के घर रखने का कोई औचित्य नहीं बनता, क्योंकि उक्त सामग्री का कार्य पर कोई उपयोग नहीं किया गया है। इस प्रकार रु० 8444/- रुपए की राशि का गलत व्यय डालकर गवन किया प्रतीत होता है।

और यह कि प्रधान के विरुद्ध ग्राम पंचायत की घन राशि के छलहरण एवं दुरुपयोग के गम्भीर आरोप हैं तथा नियमित जांच नहीं हुई है, इसलिए प्रधान ग्राम पंचायत के अभिलेख में कोई फंरवदल न हो सके श्री प्यार सिंह को प्रधान पद पर बने रहना जनहित में उचित नहीं समझा गया है।

अतः मैं, सुभाष आहलुवालिया, उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश, उन अधिकारियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994, की धारा 145 के अन्तर्गत प्राप्त है श्री प्यार सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत कपाही, विकास खण्ड सुन्दरनगर, जिला मण्डी, को तत्काल प्रधान पद से निलम्बित करता हूँ तथा आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास पंचायत की कोई सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी कपाही को सौंप दें।

सुभाष आहलुवालिया,  
उपायुक्त,  
जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

नगर एवं ग्राम योजना विभाग, हिमाचल प्रदेश  
कसौली योजना क्षेत्र की प्रारूप विकास योजना के प्रकाशन की सूचना  
शिमला-9, 1 जनवरी, 1997

सं० हि०/टी० पी०/पी० जे० टी०/डी० पी-कसौली/97-खण्ड-II-16321-420.—हिमाचल प्रदेश, नगर एवं ग्राम योजना अधिनियम, 1977 (1977 का क्रमांक 12वां) की धारा-19 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर कसौली योजना क्षेत्र के लिए प्रारूप विकास योजना को प्रकाशित करने हुए सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप विकास योजना को प्रति निम्नलिखित कार्यालयों में कार्यालय अवधि में निरीक्षण हेतु उपलब्ध है :—

1. निदेशक,  
नगर एवं ग्राम योजना विभाग,  
कर्मशियल कम्प्लैक्स, कसुम्पटी,  
शिमला-171009.
2. नगर एवं ग्राम योजनाकार,  
मण्डलीय नगर योजना कार्यालय,  
चौहान काटेज, चम्बाघाट,  
सोलन, जिला सोलन (हि० प्र०)।
3. तहसीलदार,  
तहसील कार्यालय, कसौली,  
जिला सोलन (हि० प्र०)।

प्रारूप विकास योजना को मानचित्रों सहित इस के प्रावधानों को दर्शाने हुए विश्लेषण प्रतिवेदन, कार्यान्वयन चरण, प्रभावी करने के प्रावधान, विकास करने की अनुमति लेने का ढंग तथा भूमि एवं कार्यान्वयन किये जान वाले कार्यों की अनुमानित लागत को त्रिनिदिष्ट किया गया है।

उपरोक्त प्रारूप विकास योजना में सम्बन्धित मानचित्र पर आपत्तियां अथवा सुझाव हो तो लिखित रूप में निदेशक, नगर एवं ग्राम योजना विभाग, ब्लाक नं०-32-ए, कर्मशियल कम्प्लैक्स, कसुम्पटी, शिमला-9 या नगर

एवं ग्राम योजनाकार, मण्डलीय नगर योजना कार्यालय, चौहान काटेज, चम्बावाट, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश-173213 या तहसीलदार, तहसील कार्यालय, कसौली, जिला सोलन (हि० प्र०) को हिमाचल प्रदेश राजपत्र में सूचना क प्रकाशन की तारीख से तीस दिन की कालावधि क भीतर भेजे जाने चाहिए।

हस्ताक्षरित/-

निदेशक,

नगर एवं ग्राम योजना विभाग,  
हिमाचल प्रदेश, शिमला-171009.

**TOWN AND COUNTRY PLANNING DEPARTMENT**  
**NOTICE OF PUBLICATION OF DRAFT DEVELOPMENT PLAN FOR**  
**KASAULI PLANNING AREA**

*Shimla-9, the 1st January, 1998*

**No. HIM/TP/PJT/DP-Kasauli/97-Vol.-II-16321-420.**—In pursuance to the powers conferred under sub-section (1) of section-19 of the Himachal Pradesh, Town & Country Planning Act, 1977 (Act No. 12 of 1977), the Draft Development Plan for Kasauli Planning Area is hereby published and the notice is given that a copy of the said draft development plan is available for inspection at the following offices during office hours :—

1. The Director,  
Town & Country Planning Department,  
Commercial Complex, Block No. 32-A,  
Kasumpti, Shimla-171009.
2. The Town & Country Planner,  
Divnl. Town Planning Office,  
Chauhan Cottage, Chambaghat,  
District Solan (H. P.).
3. Tehsildar,  
Tehsil Office,  
Kasauli, District Solan (H. P.).

The Draft Development Plan specifies the existing landuse map, a narrative report supported by maps and charts explaining its provisions phasing of its implementation provision for its enforcement, manner in which permission for development can be obtained, and approximate estimate of cost of land and works involved in implementation of the plan.

If there be any objection/suggestion with respect to the said draft development plan, it should be sent to the Director, Town & Country Planning Department, Commercial Complex, Block No. 32-A, Kasumpti, Shimla-9 or Town & Country Planner, Divnl. Town Planning Office, Chauhan Cottage, Chambaghat, Solan (H. P.) or Office of the Tehsildar, Tehsil Office, Kasauli, District Solan (H. P.) before expiry of thirty days from the date of publication of this notice in the H. P. Rajpatra.

Sd/-

Director,  
Town & Country Planning Deptt.,  
Himachal Pradesh, Shimla-9.